77वाँ भारतीय सेना दविस

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

भारतीय सेना दविस प्रत्येक वर्ष **15 जनवरी को जनरल (फील्ड मार्शल) के.एम. करयिप्पा की वर्ष 1949** में भारतीय सेना के **प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ** के रूप में नियुक्ति की स्मृति में मनाया जाता है।

- उन्होंने **ब्रिटिश जनरल सर एफ.आर.आर बुचर का स्थान लिया**, जो भारत के स्वतंत्रता-पश्चात सैन्य नेतृत्व में एक ऐतिहासिक क्षण था।
  - **वर्ष 2025 थीम:** *'?????? ?????, ?????? ????'* (*'Samarth Bharat, Saksham Sena'*) (सक्षम भारत, सशक्त सेना)।
  - **मेज़बान:** पहली बार सेना दविस परेड की मेज़बानी **पुणे** द्वारा की गई है, जो इसके सैन्य महत्त्व पर ज़ोर देता है।
    - **यहाँ दक्षिणी कमान, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) और DRDO** जैसी प्रमुख प्रतिष्ठान स्थित है ।
  - **रक्षा सुधारों का वर्ष**: भारत सरकार ने **वर्ष 2025** को **"रक्षा सुधारों का वर्ष" (Year of Defence Reforms) घोषित किया** है, जिसका उद्देश्य **थिएटर कमांडों को एकीकृत करना, तीनों सेनाओं के बीच तालमेल स्थापित करना तथा सैन्य खरीद को सुव्यवस्थित एवं स्वदेशी क्षमताओं** को बढ़ावा देना है।
  - **सशस्त्र सेना भूतपूर्व सैनिक दविस**: भारतीय सशस्त्र सेना के भूतपूर्व सैनिकों की सेवा और बलिदान के सम्मान में प्रतिवर्ष **14 जनवरी** को मनाया जाता है।
    - यह दविस **वर्ष 1953 में के.एम. करयिप्पा की सेवानिवृत्ति** का प्रतीक है।
- **भारतीय नौसेना दविस: 4 दिसंबर।**
- **भारतीय वायु सेना दविस: 8 अक्तूबर ।**

और पढ़ें: भारतीय सेना दविस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/77th-india-army-day